Ans. (d) : दिए गए राजपूताना चित्रकला के स्कूलों और उनकी शैलियों के अनुसार विकल्प (d) सुमेलित नहीं है। ढूँढ़ाड़ स्कूल की तीन प्रमुख उप शैलियाँ-आमेर शैली, जयपुर शैली और अलवर शैली है। इस चित्रकला शैली का प्रमुख विषय-नायिका-भेद, राग-रागिनी, बारहमासा आदि है। ढूँढ़ाड़ शैली के प्रमुख कलाकार-साहिबराम, लालचन्द, हुकुम चन्द, मुरली आदि है।

218. निम्नलिखित में से कौन सा (हस्तशिल्प-स्थान) सुमेलित नहीं है?

(a) दाबू प्रिन्ट- आकोला गाँव (चित्तौड़गढ़)
(b) अजरख प्रिन्ट- बाड़मेर
(c) उस्ता कला- बीकानेर
(d) जट पट्टी- नागौर

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022

Ans. (d) : सही सुमेलित है-

हस्तशिल्प		**स्थान**
दाबू प्रिन्ट	-	आकोला गाँव (चित्तौड़गढ़)
अजरख प्रिन्ट	-	बाड़मेर
उस्ता कला	-	बीकानेर
जटपट्टी	-	बाड़मेर

219. निम्नलिखित में से कौनसा (कला-प्रमुख केंद्र) युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) थेवा - सीकर (b) गलीचा निर्माण - जयपुर
(c) अजरख प्रिंट - बाड़मेर (d) कठपुतली - उदयपुर

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (a) : सही सुमेलित है-

कला	-	प्रमुख केंद्र
थेवा	-	प्रतापगढ़
गलीचा निर्माण	-	जयपुर
अजरख प्रिंट	-	बाड़मेर
कठपुतली	-	उदयपुर

220. कौनसा कूट सुमेलित नहीं है?

	हस्तशिल्प	**स्थान**
(A)	मामाजी के घोड़े	बसन्तगढ़
(B)	दाबू प्रिन्ट	आकोला
(C)	लाख का काम	लक्ष्मणगढ़, इन्द्रगढ़
(D)	अजरक प्रिन्ट	बाड़मेर

(a) A (b) B
(c) C (d) D

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (a) सही सुमेलन है-

हस्तशिल्प	**स्थान**
मामा जी के घोड़े	जालौर
दाबू प्रिन्ट	अकोला (उदयपुर)
लाख का काम	लक्ष्मणगढ़, इन्द्रगढ़
अजरक प्रिन्ट	बाड़मेर

221. निम्नलिखित में से कौन सा (शासक -चित्रकला शैली) सही सुमेलित नहीं है।

(a) राजसिंह-I-नाथद्वारा (b) अनूपसिंह-बीकानेर
(c) विजयसिंह-देवगढ़ (d) सावंतसिंह-किशनगढ़

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-I

Ans. (c) – देवगढ़ शैली महाराणा जयसिंह के काल में जन्मी और यहाँ के रावत को 'सोलहवें उमराव' के नाम से भी जाना जाता था। इस शैली में ढूँढ़ाड़, मेवाड़ व मारवाड़ की शैलियों का रूप दिखाई पड़ता है। इस शैली में हरे-पीले रंगों का प्रयोग किया जाता था। हाथियों की लड़ाई, शृंगार, कृष्ण-लीला, राज्य-दरबार आदि इस शैली की विशेषता है। प्रश्नगत शेष विकल्प सही सुमेलित है।

222. 'चंदू जी का गढ़ा और बोडीगामा' स्थान किस लिए प्रसिद्ध है?

(a) जाजम प्रिंटिंग के लिए (b) तामचीनी के लिए
(c) तीर बनाने के लिए (d) कुंदन कला के लिए

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (c) : 'चंदूजी का गढ़ा' और 'बोडीगामा' नामक स्थान तीर बनाने के लिए प्रसिद्ध है।

223. उदयपुर में भारतीय लोक कला मण्डल की स्थापना ..... ने की थी।

(a) देवीलाल सामकर (b) कोमल कोठारी
(c) करना भील (d) जनार्दनराय नागर

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (a) : उदयपुर में भारतीय लोक कला मण्डल की स्थापना देवीलाल सामकर ने 25 फरवरी, 1952 को की थी। लोक कला मंडल की स्थापना का उद्देश्य लोककलाओं को संरक्षण, विकास उत्थान एवं प्रचार प्रसार करना है।

224. कौनसा वित्तीय संस्थान राजस्थान के हस्तशिल्प के विकास के लिए उत्तरदायी है?

(a) राजसीको (b) रिको
(c) राजस्थान वित्त निगम (d) रिडकोर

वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I

Ans. (a) : राजस्थान राज्य के हस्तशिल्प लघु कुटीर उद्योग एवं खादी ग्राम उद्योग का विकास तथा इन्हे आवश्यक ऋण उपलब्ध कराने हेतु राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1961 में राजसीको (राजस्थान लघु उद्योग निमग लि.) की स्थापना की गयी। इन उद्योगों के विपणन एवं समन्वय का भी कार्य यह वित्तीय संस्थान करता है।

225. एक संस्था जो लघु उद्योगों तथा शिल्पकारों को उचित कीमत पर कच्चा माल एवं उनके उत्पादों के विपणन के लिए सुविधाएं प्रदान करती है। प्रदर्शनी व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती है वह है–

(a) राजसीको (b) आर0 एफ0सी0
(c) रीको (d) रा0 के0 वी0 आई0 वी0

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1997-98

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

226. जवाहर कला केन्द्र राजस्थान में यहाँ पर स्थित है–

(a) बीकानेर (b) जोधपुर
(c) उदयपुर (d) जयपुर

स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा -2019

Head Cleark Combined Exam-2018

Ans. (d) : जवाहर कला केन्द्र जयपुर में स्थित है। जयपुर में स्थित जवाहर कला केन्द्र को बहु कला केन्द्र के नाम से भी जाना जाता है जो राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थानी कला और शिल्प के संरक्षण के उद्देश्य से वर्ष 1993 में स्थापित किया गया। जयपुर को 'सिटी ऑफ आर्ट' कहा जाता है।